# आकाशवाणी, गोरखपुर

## दिनांक–12 अक्टूबर 2025 भोजपुरी समाचार

लौह पुरूष के नाव से विख्यात भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल क एक सौ पचासवीं जयंती के मौका पर इकतीस अक्टूबर से लेके छब्बीस नवंबर ले कई कार्यक्रम आयोजित होई। इकतीस अक्टूबर के प्रदेश भर में रन फॉर यूनिटी क आयोजन कइल जाई। सरदार पटेल क जयंती पर होखे वाले कार्यक्रमन क जानकारी देवे बदे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में पत्रकारन से बातचीत कइले। उहां के बतउलीं कि–

***इकतीस अक्टूबर को रन फॉर मोदी का कार्यक्रम हर जनपद में आयोजित होगा और यह भारतीय जनता पार्टी भी है और सरकार भी मिलकर के भी इस कार्यक्रम के साथ पिछले ग्यारह वर्षों से निरंतर जुड़ती रही है। इस साल इसमें सरदार साहब की एक सौ पचास वर्ष जयंती के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इसमें और भी उत्साह है। भारतीय जनता पार्टी और सरकार ने भी यह निर्णय लिया है कि हर लोकसभा क्षेत्र में एक आठ से दस किलोमीटर की पद यात्रा इस दौरान निकाली जाएगी। .इन यात्राओं में विधानसभाओं एक नवंबर से पचीस नवंबर के मध्य आठ से दस किलोमीटर की पद यात्राएं हर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभाओं में आयोजित होंगी।***

मुख्यमंत्री राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल क जोगदान के याद कइलें अउर कहलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुवाई में बरिस दुइ हजार चउदह से सरदार पटेल क जयंती के राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनावल जाला।

**********

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में भइल एगो खास बइठकी में गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन क घोषणा कइलें। उहां के कहलीं कि पीलीभीत से गाजीपुर ले प्रवाहित गोमती खाली एगो नदी नइखे बलुक हम्मन क सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत अउर जीवनधारा क प्रतीक हौ। गोमती क पुनर्जीवन खाली जल क शुद्धिकरण नइखे बलुक संस्कृति अउर पर्यावरण के संवर्धन क व्यापक अभियान हौ। ई बइठकी टेरीटोरियल आर्मी के पहल पर आयोजित कइल गइल रहल। बइठकी में मुख्यमंत्री गोमती पुनर्जीवन मिशन क विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा कइलें। उहां के कहली कि गोमती नदी में एक्को बूंद सीवरेज न गिरे, एकरे बदे अल्पकालिक अउर दीर्घकालिक रणनीति तइयार कइल जाव।

**********

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वस्तु अउर सेवा कर यानी जीएसटी बचत उत्सव क घोषणा पछिला महिना क बाइस तारीख के कइले रहलें। प्रदेस में भी कइ उद्योगन में एकर सकारात्मक प्रभाव पड़ल हौ। एगो रिपोर्ट–

***नए जीएसटी सुधार उत्तर प्रदेश के कारीगरों, किसानों और छोटे उद्यमों के लिए एक बड़ा बढ़ावा है।यह सुधार राज्य के पारंपरिक शिल्प और कपड़ा क्षेत्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। कानपुर और आगरा के चमड़ा और जूता उद्योग, जिनमें दस लाख से ज़्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं, लाभान्वित होंगे क्योंकि ढाई हजार रुपये तक की कीमत वाली वस्तुओं पर अब केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसी तरह, लखनऊ की चिकनकारी जैसी हस्त–कढ़ाई की कृतियाँ उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाएँगी क्योंकि इसे पांच प्रतिशत कर स्लैब में रखा गया है, जिससे इन शिल्पों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हजारों कारीगरों को राहत मिलेगी। वहीं फिरोजाबाद के जीआई टैग कांच शिल्प को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा क्योंकि कांच के बर्तनों और चूड़ियों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। समर्थ के साथ, नितिका गुप्ता, आकाशवाणी समाचार, नई दिल्ली।***

**********

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओरि से आयोजित पीसीएस, एसीएफ अउर आरएफओ प्रारम्भिक परीक्षा–दो हजार पचीस आजु दुइ पाली में सम्पन्न भइल। सवा छौ लाख से बेसी पंजीकृत ओम्मेदवारन बदे प्रदेस भर में एक हजार चार सौ पैंतीस परीक्षा केन्द्र बनावल गइल रहल। सज्जो केन्द्रन पर सुरक्षा क पुरहर इंतिजाम रहे। परीक्षा केन्द्रन क सीसी टीवी से निगरानियों कइल गइल। परीक्षा क निष्पक्षता सुनिश्चित करे बदे आयोग येह बेरि अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमता–एआई आधारित निगरानी प्रणाली क भी इस्तेमाल कइलस।

**********

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय राज्य अउर केंद्र शासित प्रदेसन क स्कूलन से प्रवेस अउर परीक्षा सुल्क एकट्ठा करे बदे यूपीआई अपनावे के कहले हौ। ई कदम विधायी, नीतिगत अउर संस्थागत सुधारन के जरिया से जीवन अउर स्कूली शिक्षा में आसानी के बढ़ावा देवे क पुरहर कोसिसन क हिस्सा हौ। डिजिटल भुगतान प्रणाली के अपनावे से पारदर्सिता अउर अभिभावकन बदे स्कूल जाए बिना भुगतान करे में असानी होई। मंत्रालय येह बात पर जोर दिहले हौ कि नकद भुगतान से डिजिटल भुगतान में बदलाव से स्कूल प्रसासन क आधुनिकीकरण होई अउर दुइ हजार सैंतालीस ले विकसित भारत क लक्ष्य के बल मिली।

**********

कुशीनगर जिला के तमकुहीराज तहसील क्षेत्र क नारायणी नदी के किनारे आवे वाला सत्ताईस से तीस अक्टूबर ले होखे वाले मॉडल रोकेट्री प्रक्षेपण क तइयारी जोरिया गइल हौ। क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी बतवलें कि एइजा देस क छौ सौ छात्रन क टीमि अउर एक सौ बीस अनुभवी वैज्ञानिकन की ओरि से पचास कैनसेट मॉडल रॉकेट क प्रक्षेपण कइल जाई। एकर उद्देश्य विद्यार्थियन में अंतरिक्ष जागरूकता अउर वैज्ञानिक नवाचार क भावना के बढ़ावा दिहल हौ।

**********